एक समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1959 में पेश कर दी थी। उक्त समिति ने शब्दावली कार्य के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ एक स्थायी आयोग की स्थापना की सिफारिश की थी। तदनुसार 27 अप्रैल, 1960 को राष्ट्रपति ने एक आदेश जारी किया था, जिसमे वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के लिए एक स्थायी आयोग स्थापित करने का निदेश दिया गया था। आयोग की स्थापना 21 दिसम्बर 1960 को की गई। आवश्यकतानुसार आयोग का कार्य करने के लिए केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के अधीन तकनीकी और अन्य कर्मचारियो की व्यवस्था की गई थी। तदनुसार, शब्दावली तैयार करने मे लगे केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के कर्मचारियो को आवश्यकतानुसार आयोग के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि आयोग अपना कार्य भली भाति कर सके। केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के निदेशक ने स्थायी आयोग के सदस्य-सचिव के रूप मे कार्य किया।

राष्ट्रपति के आदेश क अनुसरण मे, आयोग द्वारा किये गए कार्य का पुनरीक्षण शिक्षा मत्रालय द्वारा 1965 मे किया गया और यह पाया गया कि आयोग का कार्य अपेक्षित प्रगति नही कर सका। इसलिए, शब्दावलियों को अन्तिम रूप देने के कार्य को तेजी के करने के लिए, आयोग के सीधे नियत्रण में कमचारियो की व्यवस्था करने का निर्णय किया गया। तदनुसार, आयोग के कार्य के कार्य के लिए 1 अक्तूबर, 1965 से अलग से कार्यालय बनाया गया।

1970 में, आयोग द्वारा किये गये कार्य की प्रगति का नए सिरे से मूल्यांकन किया गया। यह पाया गया कि लगभग ढाई तीन लाख शब्दों को अन्तिम रूप देने और 30 शब्दसंग्रह तैयार करने के साथ, इंजीनियरी को छोड़ कर, बाकी के विभिन्न विषयों में शब्दावलियों को अन्तिम रूप देने से सबंधित अपने कार्य का अधिकाँश भाग पूरा कर लिया है। इस कारण से मंत्रालय का यह अभिमत था कि 1965 मे आयोग के लिए किये गए प्रशासनिक प्रबन्ध की अब कोई आवश्यकता नही है और 1965 से पहले की व्यवस्था को पुनः लागू करने का निर्णय अगस्त 1971 मे किया गया।

Resignation by Chairman U. G. C.

*431 SHRI P K DEO :
SHRI P. GANGA DEB :

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether the Chairman of the University Grants Commission has submitted his resignation,

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether attention of Government in this regard has been invited to a report in the *Motherland* of the 21st March, 1972; and

(d) if so, the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (PROF. S. NURUL HASAN) : (a) and (b). In January, 1972, the Chairman, University Grants Commission submitted a letter of resignation for reasons of health and requesting to be relieved by February 29, 1972. Subsequently, he agreed to continue in his post.

(c) and (d). Yes, Sir. The Chairman, in his letter dated March 21, 1972, addressed to the Editor, *Motherland*, has described the report as incorrect.